मैने अंतर्राष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कह दिया है। हालांकि, मैं घरेलू और लीग मैच खेलता रहूंगा।

– ललित कुमार उपाध्याय

भारतीय हॉकी खिलाड़ी, अपने संन्यास के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नीरज चोपड़ा

भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह ओस्ट्रावा में मंगलवारको हने वाली गोल्ड स्पाइक एथलेटिक्स मीट को लेकर काफी उत्साहित हैं। दरअसल, नीरज इस साल अपने अंतिम लक्ष्य टोक्यो में वर्ल्ड चैंपियनशिप में टॉप स्थान हासिल करने के लिए तैयारी कर रहे हैं। नीरज ने पिछले हफ्ते 88.16 मीटर थ्रो के साथ जूलियन वेबर को हराकर पेरिस डायमंड लीग जीती थी। दो बार के ओलंपिक मेडलिस्ट ने कहा कि चेक गणराज्य के महान खिलाड़ी जान जेलेजनी के साथ उनके कोच और उनकी दृढ़ संकल्प शक्ति के कारण उन्हें अच्छे नतीजों का भरोसा है।

क्या आप जानते हैं ?... टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज फिफ्टी जड़ने का रिकॉर्ड नेपाल केदीपेंद्र सिंह ऐरीके नाम दर्ज है। भारत की ओर से इस फॉर्मेट में सबसे कम गेंदों में फिफ्टी पूरी करने वाले प्लेयर युवराज सिंह हैं।

आइडियल मल्टी स्पोर्ट्स क्लब जीती

जयपुर, 23 जून। अंडर – 16 अरावली कप में आइडियल मल्टी स्पोर्ट्स क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 203 रन 7 विकेट के नुकसान पर बनाए। सुमित शर्मा ने सर्वाधिक 126 रनों का योगदान दिया! बालाजी क्रिकेट अकादमी की ओर से विशाल चौधरी ने चार विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बालाजी क्रिकेट अकादमी 31 ओवर में 116 रन पर ऑल आउट हो गए। श्रेयांश ने सर्वाधिक 51 रनों का योगदान दिया। आइडियल मल्टी स्पोर्ट्स क्लब की ओर से नक्ष ने तीन और कान्हा ने दो विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच सुमित शर्मा को चुना गया।

पृथ्वी शॉ ने अन्य राज्य से खेलने की एमसीए से मांगी अनुमति

मुम्बई, 23 जून। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) को एक पत्र लिखकर आगामी घरेलू सत्र किसी अन्य राज्य की ओर से खेलने की अनुमति मांगी है। शॉ ने अपने पत्र में लिखा, मैं इस अवसर पर मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) का दिल से धन्यवाद करना चाहता हूं, जिन्होंने मुझे प्रतिनिधित्व करने का अवसर और समर्थन दिया। एमसीए सेटअप का हिस्सा होना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात रही है और यहां मुझे जो अनुभव और मंच मिला उसके लिए मैं बेहद आभारी हूं। मेरे करियर के इस मोड़ पर मुझे एक अन्य राज्य से पेशेवर क्रिकेट खेलने का एक शानदार अवसर मिला है, मुझे लगता है कि यह अवसर एक क्रिकेटर के रूप में मेरे विकास और प्रगति में सहायक होगा। उन्होंने पत्र में यह भी लिखा, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि मुझे अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करें, ताकि मैं आधिकारिक रूप से आगामी घरेलू सत्र में नए राज्य के लिए खेल सकूं। उन्होंने कहा कि मैंने विचार-विमर्श और एमसीए के प्रति पूरे सम्मान के साथ यह निर्णय लिया है। वह इस संघ द्वारा वर्षों से दिए गए मार्गदर्शन और मंच के लिए हमेशा आभारी रहेंगे।

इंग्लैंड के खिलाफ भारत की बढ़त 370 रन

इंग्लैंड के खिलाफ ऋषभ पंत ने सेंचुरी ठोक कर रचा इतिहास, ऐसा करने वाले पहले भारतीय बने

लीड्स, 23 जून। भारत ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में इंग्लैंड को जीत के लिए 371 रन का टारगेट दिया है। जवाब में इंग्लैंड ने दूसरी पारी में बिना नुकसान के 13 रन बना लिए हैं। टीम जीत से 358 रन दूर हैं। जैक क्रॉली और बेन डकेट क्रीज पर हैं।

लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार को 90/2 के स्कोर से खेलना शुरू किया था। केएल राहुल (137 रन) और ऋषभ पंत (118 रन) ने चौथे विकेट के लिए 195 रनों की साझेदारी करके 300 पार पहुंचा दिया। लेकिन इस साझेदारी के टूटते ही पूरी भारतीय टीम 365 रन पर पवेलियन लौटे गई। टीम ने आखिरी 5 विकेट 31 रन बनाने में गंवा दिए। शार्दूल ठाकुर (4 रन), मोहम्मद सिराज (शून्य) और जसप्रीत बुमराह (शून्य) 349 के स्कोर पर आउट हुए। इंग्लैंड से ब्रायडन कार्स और जोश टंग ने 3-3 विकेट झटके। शोएब बशीर को 2, क्रिस वोक्स और बेन स्टोक्स को एक-एक विकेट मिला। पहली पारी में इंग्लैंड 465 और भारत 471 रन पर ऑलआउट हो गई थी। भारत को पहली पारी में 6 रन की बढ़त मिली थी।

टीम इंडिया के उपकप्तान ऋषभ पंत का बल्ला जमकर गरज रहा है। उन्होंने एक के बाद एक करके दोनों पारियों में शतक जड़कर इतिहास रच दिया है। पंत टेस्ट इतिहास में ऐसे पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं जिन्होंने एक मैच की दोनों पारियों में सेंचुरी लगाई हो। वो पहले ही रेड-बॉल फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय विकेटकीपर बन चुके हैं। पंत ने पहली पारी में 134 रन बनाए तो दूसरी पारी में वह 120 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लिया है।भारतीय टीम ने अपना पहला ऑफि शियल टेस्ट मैच साल 1932 में खेला था। अब तक 93 साल के भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में कोई भी विकेटकीपर बल्लेबाज टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक नहीं लगा पाया है। अब पंत ऐसा करने वाले एकमात्र भारतीय विकेटकीपर बन गए हैं। पंत ऐसे पहले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं जिन्होंने इंग्लैंड में खेलते हुए किसी टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया है। बता दें कि, पंत ऐसे कुल सातवें भारतीय बल्लेबाज हैं जिन्होंने एक टेस्ट मैच की दो पारियं में शतक ठोका है। सुनील गावस्कर ने 3 बार ऐसा किया है जबकि राहुल द्रविड़ ने 2 बार, विजय हजारे, रोहित शर्मा, विराट कोहली, अंजिक्य रहाणे भी एक-एक बार ऐसा कर चुके हैं। अब इन दिग्गजों में पंत का नाम भी शामिल हो गया है।

केएल राहुल ने सलामी बल्लेबाज के रूप में जड़ा अपना छठा शतक

लीड्स, 23 जून। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने सोमवार को हेडिंग्ले में इंग्लैंड के खिलाफ शतक बनाने के साथ भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया। उन्होंने एशिया के बाहर बतौर सलामी बल्लेबाज अपना छठा टेस्ट शतक लगाया। वह यह कारनामा करने महान सुनील गावस्कर के बाद दूसरे बल्लेबाज है।

राहुल ने अपने खास अंदाज में शतक लगाया। उन्होंने कवर ड्राइव के जरिए अपना शतक पूरा किया। यह शॉट इतना सटीक और प्रभावशाली था कि स्वीपर कवर खिलाडी के पास भी कोई मौका नहीं था। भारतीय ओपनर ने जश्न मनाते हुए दूसरा रन लिया। उन्होंने ड्रेसिंग रूम का अभिवादन किया और मैदान में तालियां गूंज उठीं।

केएल राहुल अब एशिया के बाहर किसी भारतीय सलामी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए दूसरे सबसे ज्यादा टेस्ट शतक (छह) बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वह सुनील गावस्कर (15) से पीछे हैं और वीरेंद्र सहवाग (चार) से आगे हैं। केएल राहुल के टेस्ट करियर का यह नौवां शतक है। यह इंग्लैंड में उनका तीसरा टेस्ट शतक है। इससे पहले उन्होंने 2018 में ओवल में149 रन और लॉर्ड्स में 2021 में 129 रन बनाये थे।

इशान किशन ने इंग्लैंड में मचाया तूफान, डेब्यू मैच में जड़े 12 चौके और 1 छक्का

भारतीय क्रिकेट टीम शुभमन गिल की कप्तानी में इस वक्त इंग्लैंड में 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है, लेकिन टेस्ट टीम से दूर चल रहे भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन इंग्लैंड में अभी काउंटी चैंपियनशिप में नॉटिंघमशायर के लिए खेल रहे हैं। इशान ने काउंटी चैंपियनशिप में इस टीम के लिए डेब्यू किया और फिर यॉर्कशायर के खिलाफ पहली पारी में बेहतरीन बल्लेबाजी की।भारत के लिए 2 टेस्ट मैच चुके इशान किशन पहली बार काउंटी चैंपियनशिप में खेल रहे हैं। उन्हें नॉटिंघमशायर ने दो मैच के लिए साइन किया है। यॉर्कशायर के खिलाफ इशान किशन को प्लेइंग इलेवन में जगह मिली। और पहली पारी में बल्लेबाजी के लिए उन्हें छठे नंबर पर भेजा गया। इशान ने मैदान पर आते ही तेज गति से रन बनाना शुरू कर दिया और विपक्षी गेंदबाजों पर जमकर बरसे।

राजधानी

कांग्रेसी नेता सिर्फ सोशल मीडिया तक सिमटे, हमारी सरकार के डेढ़ साल के कार्यों ने कांग्रेस के 5 सालों को पीछे छोड़ा : मुख्यमंत्री

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का नारा राष्ट्र की एकता और अखंडता का प्रतीक : भजनलाल शर्मा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेसी नेताओं के सोशल मीडिया पर किए जा रही पोस्ट पर चुटकियां लेते हुए कहा कि कांग्रेसी नेता सिर्फ सोशल मीडिया तक सिमट कर रह गए। कांग्रेसी कहते है कि सीएम रूकते नहीं , जबकि मैं कहता हूं कि होटलों में रूकने के लिए तो कांग्रेसी ही काफी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कुछ लोग कह रहे है बिजली नहीं आ रही, मुझे बता तो दो कहा नहीं आ रही, मैं डेढ़ साल का हिसाब और आप अपना पुराना पाँच का हिसाब लेकर आ जाना बता दूँगा। मैंने डेढ़ साल में तुम्हारे पाँच सालों को पीछे छोड़ दिया है।

भजनलाल शर्मा ने यह बातें सोमवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर प्रदेश कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कही।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के 5 साल में बिजली उत्पादन, घरेलु और कृषि कनेक्शन जारी करने के आंकड़ों की तुलना हमारी सरकार के 1.5 साल में किए गए कार्य से करें तो वस्तुस्थिति स्पष्ट हो जाएंगी। कांग्रेसी ट्विट करते है जबकि हमारी सरकार धरातल पर काम कर रही है। कांग्रेस ने हमेशा भेदभाव की राजनीति की और गरीबी हटाओ का नारा देकर गरीबों को लूटा, जबकि भाजपा की विचारधारा 'राष्ट्र प्रथम' की है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आज का दिन केवल स्मरण का नहीं, प्रेरणा का दिन है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का नारा दिया एक देश में दो विधान, दो निशान नहीं चलेंगे, वह कोई राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि राष्ट्र की एकता और अखंडता का प्रतीक था और भारत की आत्मा की पुकार था। उन्होंने कहा कि जनसंघ की स्थापना कर वैकल्पिक राजनीतिक विचारधारा को जन्म देने वाली 14 लोगों की पार्टी आज 14 करोड़ कार्यकर्ताओं का संगठन बनकर विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर सोमवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने राष्ट्रवाद को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। जहां हुए बलिदान मुखर्जी, वो कश्मीर हमारा है का नारा आज भी जीवंत है। कश्मीर से धारा 370 हटाने की उनकी प्रतिबद्धता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साकार किया।

राम मंदिर निर्माण हो या अनुच्छेद 370 का समाप्त होना, यह सब उनकी दूरदर्शी सोच और बलिदान का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने सभी कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों के भारत को साकार करने के लिए हम सबको मिलकर कार्य करना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का जो संकल्प लिया गया है, उसे हम सभी को पूरा करना होगा।

हमारी सरकारें गरीब, महिला, किसान और युवा के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। कांग्रेस की इसी गरीबों को लूटने वाली नीति के चलते जो पार्टी पंचायत से लेकर संसद तक थी, वह राष्ट्रवाद से हार गई। भाजपा राष्ट्र के लिए समर्पित विचारधारा की पार्टी है। भाजपा समर्पित कार्यकर्ताओं की फौज है, जो सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचा रही है। हम संगठन और सेवा-दोनों क्षेत्रों में समान रूप से सक्रिय हैं।

- पंचायत से लेकर संसद तक कांग्रेस ने विचारधारा को छोड़ा तो हुई बड़ी गर्त : मुख्यमंत्री
- डॉ. मुखर्जी राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक चेतना और राजनीतिक शुद्धिकरण के प्रेरणास्त्रोत : मदन राठौड़

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा कल से पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय पखवाड़ा का आयोजन करेगी। इसमें अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुँचाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने बजट में 5 हजार गांवों को बीपीएल मुक्त करने के लिए घोषणा की थी। इस बजट घोषणा के क्रियान्वयन में भाजपा सरकार ने 300 करोड का बजट जारी किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यक्रम के बाद प्रत्येक कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ने कहा कि डॉ. मुखर्जी राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक चेतना और राजनीतिक शुद्धिकरण के प्रेरणास्त्रोत हैं। उनका जीवन एक विचार, एक उद्देश्य और एक समर्पण की मिसाल है। मुखर्जी जी का परिवार स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा था। राष्ट्रवाद की भावना उन्हें विरासत में मिली। बंगाल विभाजन के समय उन्होंने आंदोलन किया, विधानसभा से इस्तीफा दिया और निर्दलीय चुनाव जीतकर लोगों की आवाज बने। मुखर्जी जी स्वतंत्र भारत की पहली सरकार में मंत्री बने, परंतु जब उन्होंने सरकार में तुष्टीकरण और सांस्कृतिक अपमान देखा तो इस्तीफा दे दिया। उस समय कश्मीर में पाकिस्तान समर्थित कबायली हमला हुआ। कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने भारत में विलय की इच्छा जताई, पर प्रधानमंत्री नेहरू ने समय तक नहीं दिया। परिणामस्वरूप आधा कश्मीर पाक अधिकृत हो गया। मुखर्जी को यह स्वीकार नहीं था कि भारत में दो विधान, दो संविधान और दो निशान हों जबकि कश्मीर भारत का अंग था। उन्होंने इस अन्याय का विरोध किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि नेहरू सरकार निरंकुश थी, शेख अब्दुल्ला से उनके व्यक्तिगत रिश्ते राष्ट्रहित पर हावी हो गए। विरोध करने वालों को कुचला गया। डॉ. मुखर्जी ने सत्य और राष्ट्रहित के लिए मंत्री पद त्याग किया। उन्होंने बताया कि जनसंघ की स्थापना मुखर्जी ने पं. दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी के साथ मिलकर की थी। पहले ही चुनाव में पार्टी ने 3 सांसद और 23 विधायक जीतकर राजनीतिक विकल्प के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

बर्लिन यात्रा के दौरान देवनानी ने किये वेदांत दर्शन

राजस्थान विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बर्लिन यात्रा के दौरान स्वामी बनेशानंद से भेंट की।

- यूरोप में भारतीय अध्यात्म का आलोक : देवनानी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी बर्लिन मे सोमवार को रामकृष्ण मिशन केंद्र के बेलूर मठ गए । उन्होंने वेदांत गेसेल शाफ्ट संस्था के प्रतिष्ठित केंद्र का अवलोकन किया।

बेलूर मठ रामकृष्ण मिशन का आध्यात्मिक केंद्र है। इस अवसर पर उन्हें स्वामी बनेशानंद से भेंट की । दोनों के मध्य सनातन, आध्यात्मिक और भारतीय संस्कृति पर संवाद हुआ। देवनानी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद द्वारा स्थापित रामकृष्ण मिशन के इस यूरोपीय केंद्र में अद्वैत वेदांत, योग और ध्यान के माध्यम से भारतीय दर्शन का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। यह केंद्र न केवल बौद्धिक चिंतन का स्थल है, बल्कि यह मानवता की सेवा और आत्म-जागरूकता को समर्पित एक प्रकाश-स्तम्भ के रूप में कार्य कर रहा है। वासुदेव देवनानी और स्वामी बनेशानंद ने वेदांत दर्शन, भारतीय संस्कृति के वैश्विक स्वरूप और आधुनिक युग में अध्यात्म की आवश्यकता जैसे गूढ़ विषयों पर चर्चा की । इस संवाद को श्री देवनानी ने आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण और जीवन-दृष्टि को व्यापक बनाने वाला बताया। इस अवसर पर देवनानी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा और रामकृष्ण मिशन का कार्य भारत की आत्मा को वैश्विक मंच पर मुखर करता है। अन्य देशों में यह केंद्र भारतीयता की दिव्य ज्योति को विश्वभर में प्रज्ज्वलित कर रहे हैं। यह केंद्र भारत और यूरोप के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुल के रूप में एक महत्वपूर्ण है। श्री देवनानी ने इस केंद्र को आध्यात्मिक तीर्थ बताया, जहाँ विचार, साधना और सेवा के त्रिवेणी संगम के दर्शन होते हैं।

ऐसे भी फर्जी आवेदक उम्र महज 29 वर्ष पर 11 विषयों में एम.ए. उत्तीर्ण

जयपुर । राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के अन्तर्गत प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों की जांच में बिना योग्यता आवेदन करने के कई प्रकरण सामने आए हैं। ऐसा ही एक मामला वर्तमान में आयोजित की जा रही प्राध्यापक एवं कोच प्रतियोगी परीक्षा-2024 से जुड़ा है।

प्रकरण में मनीषा कटारा पुत्री नाथू कटारा निवासी भीमखोरा, ग्राम टांडीकलां, तहसील कुशलगढ़, जिला बांसवाडा ने स्वयं को 11 विषयों में एमए बताते हुए इन विषयों के पदों हेतु आवेदन किए है।

आयोग द्वारा इस संबंध में अभ्यर्थी मनीषा कटारा के ऑनलाइन आवेदन में दिए गए रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर संपर्क कर अवगत कराने का प्रयास भी किया पर अभ्यर्थी ने न तो फोन उठाया न ही पुन: संपर्क का प्रयास किया। अब आयोग महज 29 वर्ष की आयु में 11 विषयों में डिग्री की असत्य घोषणा कर आवेदन करने के इस प्रकरण में व्यक्तिगत सुनवाई कर अभ्यर्थी के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करेगा। अभ्यर्थी ने राजनीति विज्ञान, इतिहास, बॉयोलोजी, केमिस्ट्री, सोशियोलॉजी, इकोनोमिक्स, पंजाबी, ड्राइंग, होम साइंस, राजस्थानी म्यूजिक विषय में एम.ए. होने का दावा किया है।

बेवजह काम अटकाने वाले अफसरों पर होगी सख्त कार्रवाई : दिया कुमारी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को शासन सचिवालय में जयपुर जोन प्रथम एवं द्वितीय की सड़क व अन्य परियोजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी लंबित कार्यों की स्पष्ट समय सीमा तय करें और उन्हें निर्धारित समय में पूरा करें। उन्होंने चेतावनी दी कि जो अधिकारी कार्यों को अनावश्यक रूप से लंबित रखेंगे, उन पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, सीकर, झुंझुनूं, अलवर, कोटपूतली-बहरोड़ जिलों की सड़क परियोजनाओं की माइक्रो लेवल पर समीक्षा की गई। उपमुख्यमंत्री ने वन, भूमि विवाद अथवा अन्य कारणों से अटकी परियोजनाओं को शीघ्र गति देने हेतु संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि आगामी पांच सप्ताह में अधिकारी फील्ड विजिट की रिपोर्ट पेश करें, यह बताएं कि कहां निरीक्षण किया गया और वहां मिली खामियों में कितना सुधार किया गया। साथ ही, बैठक में दिए गए निर्देशों पर कितनी प्रगति हुई, इसकी विस्तृत रिपोर्ट पेश की जाए।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अधिकारियों से सीधे सवाल किया - जब आपके पास जलभराव या बाढ़ की सूचना आती है, तो आप क्या एक्शन लेते हैं? उन्होंने अधिकारियों को एक्टिव मोड में रहने और सभी आवश्यक संसाधनों की पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने जानकारी दी कि राज्य स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया जा चुका है और प्रत्येक जिला मुख्यालय पर भी नियंत्रण कक्ष क्रियाशील है। प्रत्येक एईएन कार्यालय में 1000 भरे हुए व 5000 खाली मिट्टी के कट्टे, उपखंड स्तर पर कोल्ड मिक्स मटेरियल के 50 बैग तथा अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। इसके अलावा, रेट कॉन्ट्रैक्ट भी किया जा चुका है ताकि भारी बारिश या बाढ़ की स्थिति में सड़कों की मरम्मत तुरंत की जा सके।